भाजपा के सदस्यता अभियान में कम सदस्य बनने से नाराज हुए राष्ट्रीय संगठन महामंत्री

15 अक्टूबर तक सवा करोड़ सदस्य बनाने थे, जबकि अभी 23 लाख बने

जयपुर। भाजपा के प्रदेश में चल रहे सदस्यता अभियान की पार्टी के राष्ट्रीय महामंत्री संगठन बीएल संतोष ने समीक्षा बैठक की। बैठक को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि लक्ष्यों को अर्जित करने के लिए पूर्व योजनाओं और पूर्ण योजना के साथ कार्यकर्ता जुट जाए। इसके साथ ही उन्होंने जिलाध्यक्षों से आव्हान किया कि वे मंडल और बूथ स्तर पर प्रवास कार्यक्रम बनाए तथा वहां स्थानीय कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर सदस्यता अभियान को गति प्रदान करें। बैठक में भाजपा के जिलाध्यक्ष, अभियान से जुड़े प्रभारी, संयोजक और जिलों की टोली के प्रमुख कार्यकर्ता उपस्थित थे।

बीएल संतोष ने प्रदेश में भाजपा के सदस्यता अभियान की धीमी गति को लेकर नाराजगी जताई है। उन्होंने भाजपा के प्रदेश स्तर और जिला संयोजकों की बैठक में कम सदस्य बनाने के पीछे कारण पूछे। इस पर संयोजकों ने कहा कि इस समय खेती का समय चल रहा है, जिसके चलते सदस्यता कम रही है। बीएल संतोष ने कहा कि लोग खेती में व्यस्त हैं तो खेतों में जाकर सदस्य बनाएं। उन्होंने कहा कि मैं यहां एक-एक व्यक्ति का रिकॉर्ड देखने आया हूं। किस व्यक्ति ने अपने मोबाइल से कितने सदस्य बनाए।

हालांकि मीटिंग के दौरान उन्होंने भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ की तारीफ भी की और कहा कि उन्होंने टारगेट से दोगुने सदस्य बनाए हैं। इसी तरीके से बाकी लोगों को भी काम करना चाहिए। राजस्थान में अभी 23 लाख सदस्य ही बने हैं। जबकि प्रदेश में 15 अक्टूबर तक सवा करोड़ सदस्य बनाने का लक्ष्य है।

संतोष ने कहा कि अपने साथी कार्यकर्ताओं में नेतृत्व के गुण विकसित करें, उनके नेता बनने से आपका कद स्वतः बढ़ जाएगा। उन्होंने कहा कि भाजपा विचार आधारित पार्टी है, यहां

- **भाजपा में कार्यकर्ता महत्वपूर्ण, उनमें करें नेतृत्व के गुण विकसित : बीएल संतोष**
- **भाजपा आरक्षित वर्ग के संरक्षण के लिए प्रतिबद्ध, कांग्रेस मानती रही वोट बैंक : मदन राठौड़**

कार्यकर्ता अपने कार्य के बल पर महत्वपूर्ण है। सदस्यता अभियान कार्यकर्ता निर्माण की दिशा में पहला कदम है, इसलिए इस पर गंभीरता से काम करने की आवश्यकता है। उन्होंने अभियान की सफलता के लिए त्रि सूत्री मंत्र देते हुए कहा कि प्रतिदिन सदस्य बनाए, मंडल के हर बूथ पर सक्रियता बढ़ाए और सदस्यता अभियान में व्यक्तिगत रेफरल की संख्या बढाई जाए।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने समीक्षा बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा आरक्षित वर्ग के संरक्षण के लिए प्रतिबद्ध है। केंद्र और राज्य में बहुमत मिलने पर सदा उन वर्गों के कल्याण के लिए कदम उठाए गए है। जबकि कांग्रेस और अन्य दल उन्हें केवल वोट बैंक मानते है। पहले आरक्षण लागू करने में कौताही बरतने वाली कांग्रेस आज विदेश की धरती पर जाकर आरक्षण समाप्त करने की बात करती है।

भाजपा प्रदेश प्रभारी डॉ राधा मोहन दास अग्रवाल ने कार्यकर्ताओं से आव्हान किया कि वे कमजोर मन से नहीं, मजबूत मन के साथ संगठन के कार्य में जुटे, क्योंकि भाजपा की ताकत उसके कार्यकर्ता है। भाजपा सदस्यता अभियान के प्रदेश प्रभारी ऋतुराज सिन्हा ने कहा कि अगले 18 दिनों में सदस्यता को गति देने के लिए 3 महा अभियान चलेंगे। इन सभी अभियानों में प्रदेश से बूथ तक के कार्यकर्ताओं और जनप्रतिनिधियों की भागीदारी सुनिश्चित हो। उन्होंने कहा कि देशभर में सदस्यता को लेकर सकारात्मक रूझान सामने आया है। लोग भाजपा के साथ जुड़कर राष्ट्रीय विचार को राजनीतिक क्षेत्र में मजबूती देने के लिए आगे आ रहे है।

सदस्यता अभियान के प्रदेश संयोजक डॉ अरूण चतुर्वेदी ने समीक्षा बैठक की प्रस्तावना रखते हुए बताया कि सदस्यता अभियान का प्रथम चरण बुधवार को समाप्त हो गया है। अब 15 अक्टूबर तक अभियान का दूसरा चरण चलेगा। इसमें 29 सितंबर को प्रधानमंत्री जी के मन की बात कार्यक्रम, 5 और 6 अक्टूबर तथा 13 से 14 अक्टूबर को सदस्यता का महा अभियान चलाया जाएगा।

सैन्यकर्मी का कोर्ट मार्शल कर बर्खास्त करने का 22 साल पुराना आदेश रद्द

जयपुर। सशस्त्र सेना प्राधिकरण ने साथी के बैंक खाते से रुपए निकालने के मामले में सैन्यकर्मी का कोर्ट मार्शल कर बर्खास्त करने के 22 साल पुराने आदेश को रद्द कर दिया है। इसके साथ ही अधिकरण ने उसे समान रैंक पर मानते हुए समस्त परिलाभ व पेंशन देने को कहा है। अधिकरण ने स्पष्ट किया है कि बर्खास्तगी आदेश से बाद की अवधि का उसे वेतन नहीं दिया जाएगा। अधिकरण ने यह आदेश पूर्व सीएफएन चंद्रभान की याचिका पर दिए। अधिकरण ने कहा कि वास्तव में बैंक कर्मचारी ने अपने फायदे के लिए याचिकाकर्ता को फंसाया है और उसे सेवा से बर्खास्त कर उसके साथ घोर अन्याय किया है। इसके साथ ही अधिकरण ने आदेश की कॉपी बैंक के क्षेत्रीय प्रबंधक को उचित कार्रवाई के लिए भेजा है।

याचिका में अधिवक्ता प्रवीण बलवदा ने अधिकरण को बताया कि याचिकाकर्ता 7011 ईएमई बटालियन जालंधर में सीएफएन के पद पर कार्यरत था। उस पर आरोप था कि उसने 4 दिसंबर, 2001 को एसबीआई बैंक की जालंधर कैंट शाखा में सीएफएन एसपी सिंह के खाते से उसके फर्जी साइन कर 35 हजार रुपए निकाल लिए। इस मामले में उस पर कोर्ट मार्शल की कार्रवाई की गई और 5 मार्च, 2002 को उसे तीन माह का सिविल कारावास देते हुए सेवा से बर्खास्त कर दिया। याचिका में कहा गया कि उसे रुपए की जरुरत थी और उसने बैंककर्मी जीपी सिंह को इस बारे में बताया था। इस पर जीपी सिंह ने उसे दस दिन के लिए यह राशि एक हजार रुपए ब्याज काटकर दी थी। इस दौरान बैंक के निकासी फॉर्म पर जीपी सिंह ने साइन किए थे। वहीं तय समय पर याचिकाकर्ता ने यह राशि लौटा दी भी थी। मामले में कोर्ट मार्शल की कार्रवाई में घटना के मुख्य आरोपी जीपी सिंह को सरकारी गवाह बनाया गया और उसकी गवाही पर याचिकाकर्ता को दंडित किया गया। जबकि उसकी गवाही विश्वसनीय नहीं थी और उसने खुद को बचाने के लिए याचिकाकर्ता पर दोष मढ़ दिया। जिस पर सुनवाई करते हुए अधिकरण ने कोर्ट मार्शल के आदेश को निरस्त करते हुए याचिकाकर्ता को समान रैंक का परिलाभ देने को कहा है।

हिंदू आध्यात्मिक व सेवा मेले का उद्घाटन

जयपुर। हिन्दू आध्यात्मिक एवं सेवा मेला के उद्घाटन के दौरान उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा कि मुझे चिंता होती है कुछ लोग विदेश में देश को तोड़ने वालों के साथ बैठते हैं। वे नासमझी से उत्साहित हैं। एक नैरेटिव चला रहे हैं। जब पड़ोस के देश में कुछ हुआ, तब के संवैधानिक पद पर बैठा व्यक्ति कहता है कि हमारे देश में ऐसा हो सकता है। उपराष्ट्रपति ने कहा कि इतने हिस्सों में भी मत बंटो कि बाद में याद आए कि हमारे हिस्से में कुछ नहीं बचा है।

चौथे हिन्दू आध्यात्मिक एवं सेवा मेला में गुरुवार को उद्घाटन भाषण दे रहे थे। 5 दिन चलने वाले इस हिन्दू मेले में देशभर के संतों ने भाग लिया। इस दौरान साध्वी ऋतम्भरा ने कहा कि मुझे चित्तोड़ की धरती को प्रणाम करना है जहां देवियों ने लाशों के साथ दुष्कर्म करने वालों के खिलाफ अग्नि स्नान कर जौहर किया। जब वह लोग अपने प्राण को त्याग सकते हैं। तो हम भय और लालच के लिए अपना धर्म क्यों त्यागे। साध्वी ने कहा कि एक दो बेटियों की मां रात को चैन से नहीं सो पाती है। लेकिन मैं संन्यासी होने के बाद हजारों बेटियों की मां हूं। उन्हें पढ़ने से लेकर शादी तक करने की जिम्मेदारी मेरी है।

सरकारी अस्पतालों में बदलेगा समय

जयपुर। जयपुर के एसएमएस समेत दूसरे अस्पतालों में का समय बदलेगा। शीतकालीन व्यवस्था के तहत 1 अक्टूबर से समय बदलेगा। 1 अक्टूबर से 31 मार्च तक सुबह 9 बजे से ओपीडी शुरू होगी। सामान्य दिनों में दोपहर 3 बजे तक चलेगी।

जिसको लेकर एसएमएस अस्पताल अधीक्षक डॉ. सुशील भाटी ने आदेश जारी किए। रजिस्ट्रेशन का काम सुबह 8.30 बजे से शुरू होगा, जो दोपहर 3 बजे तक जारी रहेगा। रविवार और राजपत्रित अवकाश के दिन दो घंटे सुबह 9 से 11 बजे तक ओपीडी चलेगी।

कैथल में दिया कुमारी ने भाजपा के लिए मांगे वोट

कैथल/अंबाला। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने आज हरियाणा के कैथल में भाजपा उम्मीदवारों के पक्ष में चुनाव प्रचार किया। दिया कुमारी ने अपने दो दिवसीय चुनावी दौरे के शुरुआत में कैथल के जिला सैनी भवन में भाजपा उम्मीदवार लीलाराम के पक्ष में एक महिला सम्मेलन को संबोधित किया और फिर पाडला में राजपूत समाज के लोगो से मुलाक़ात की। दोपहर में उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने मुलाना से भाजपा उम्मीदवार संतोष सारवान के पक्ष में वोट माँगे। इसके बाद दिया कुमारी ने अंबाला शहर के क्षित्रय समाज के प्रबुधजन से जनसंपर्क किया और भाजपा उम्मीदवार असीम गोयल के समर्थन में एक सभा को संबोधित किया।

कैथल में महिला शक्ति सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने भाजपा के उम्मीदवार लीला राम को जीत की अग्रिम बधाई दी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश की आधी आबादी रखने वाले महिला वर्ग के उत्थान व सम्मान के लिए अनेको ऐतिहासिक कार्य किये। नारी शक्ति वंदन अधिनियम, प्रसवकालीन अवकाश, सेना में अवसर, लखपति दीदी, आंगनबाड़ी अपग्रेडेशन जैसे कई निर्णय केन्द्र सरकार ने किये। दिया कुमारी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सभी फ्लैगशिप योजनाओं को सबसे ज्यादा लाभ महिलाओं को मिला है। कांग्रेस पर निशाना साधते हुए उन्होने कहा कि संवैधानिक पद पर रहते हुए भी राहुल गांधी द्वारा विदेश में जा कर समाज को बांटने के लिए गलत बयानबाजी की गई जो कि दुर्भाग्यपूर्ण है। दूसरी ओर आम आदमी पार्टी के मंत्री और मुख्यमंत्री भ्रष्टाचार के मामलों में जेलों में बन्द है या जमानत पर है।

उन्होंने उपस्थित जनसमूह से अपील की और कहा कि हरियाणा में विकास का क्रम आगे भी चलता रहे इसके लिए तीसरी बार हरियाणा में भाजपा की डबल इंजन सरकार बननी चाहिए। मुलाना में भाजपा उम्मीदवार संतोष सारवान के समर्थन में जनसभा को संबोधित करते हुए उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने किसानों, सैनिको, महिलाओं और युवाओ के कल्याण की विभिन्न योजनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि केन्द्र और राज्य सरकार की कड़ी से कड़ी जुड़ने से ही सही मायने में विकास संभव है।

अंबाला शहर से भाजपा उम्मीदवार असीम गोयल के पक्ष में क्षत्रिय समाज के प्रबुद्धजन सभा को संबोधित करते हुए दिया कुमारी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व देश की सीमाएँ सुरक्षित हुई है और सेना सशक्त हुई है।

वेतन विसंगतियां दूर करने की मांग

जयपुर। मंत्रालयिक संवर्ग की वेतन विसंगतियों एवं अन्य समस्याओं के लिए राजस्थान राज्य कर्मचारी संघ के शिष्टमंडल ने अखिल राजस्थान राज्य कर्मचारी संयुक्त महासंघ एकीकृत के प्रदेश अध्यक्ष गजेंद्र सिंह राठौड़ औश्र राजस्थान राज्य कर्मचारी संघ के प्रदेश महामंत्री देवेंद्र सिंह नरूका के संयुक्त नेतृत्व में मुख्यमंत्री कार्यालय तथा मुख्य सचिव एवं अतिरिक्त वित्त सचिव को ज्ञापन दिया। अखिल राजस्थान राज्य कर्मचारी संयुक्त महासंघ एकीकृत के प्रदेश अध्यक्ष ने बताया कि मुख्यमंत्री द्वारा विधानसभा में बजट सत्र के दौरान 1 सितंबर 2024 से सभी की वेतन विसंगतियां दूर करने की घोषणा के बावजूद सितंबर माह खत्म होने को है लेकिन अभी तक ना तो सांवत और खेमराज समिति की रिपोर्ट सार्वजनिक की गई और ना ही कोई कार्यवाही की गई है। जिससे कर्मचारियों में भारी आक्रोश प्राप्त है। गत सरकार में कैबिनेट द्वारा संस्थापन अधिकारी की ग्रेड पे 6000 से बढ़ाकर 6600 अनुमोदित कर दी गई थी , लेकिन अभी तक उसके आदेश नहीं निकले हैं । सचिवालय एवं अन्य संवर्गों की भांति मंत्रालयिक संवर्ग को दूसरी पदोन्नित पर ग्रेड पे 4200, संस्थापन अधिकारी के आगे उप निदेशक प्रशासन का पद सृजित करने, पदोन्नितयों के खिलाफ स्टे निरस्त करवाने आदि प्रमुख मांगे हैं।

भगवा रैली 29 को

जयपुर। महान मराठा सम्राट छत्रपति शिवाजी के हिंदू राष्ट्र की मांग को पूरा करने और आमजन में हिंदू राष्ट्र के लिए जनजागृति पैदा करने के उद्देश्य से रविवार को भगवा रैली का आयोजन किया जाएगा। युवा शक्ति मंच की ओर से आयोजित इस रैली का नेतृत्व राज्य के सभी प्रमुख संत करेंगे। इसकी जानकारी देते हुए युवा शक्ति मंच राजस्थान के प्रदेश संयोजक सुनील सिंह शेखावत ने गुरूवार को प्रेसवार्ता के दौरान बताया कि हिंदू समाज को संगठित करने के उद्देश्य से यह रैली खोले के हनुमान मंदिर से शुरू होकर न्यू गेट स्थित रामलीला मैदान तक निकाली जाएगी।

उन्होंने बताया कि रैली में मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी, भीलवाड़ा सांसद दामोदर अग्रवाल, जयपुर सांसद मंजू शर्मा, मुख्यमंत्री के पुत्र व युवा भाजपा नेता कुणाल शर्मा, विधायक बालमुकुन्दाचार्य, गोपाल शर्मा, महेन्द्र मीणा और विधानसभा चुनावों में भाजपा प्रत्याशी रहे चन्द्रमनोहर बटवाडा व रवि नैय्यर शामिल होंगे।

स्मैक तस्करी में लिप्त बदमाश गिरफ्तार

जयपुर। जयपुर कमिश्नरेट की स्पेशल टीम ने ऑपरेशन आग और ऑपरेशन "क्लीन स्वीप" के तहत भांकरोटा इलाके कार्रवाई करते हुए स्मैक तस्कर व अवैध हथियार रखने वाले आरोपित करण सिन्धी को गिरफ्तार किया। पुलिस ने आरोपी के पास से 209 ग्राम 90 मिलीग्राम अवैध मादक पदार्थ स्मैक, अवैध पिस्टल और 52 हजार 600 रुपये व कार बरामद की है। पुलिस की प्रारम्भिक पूछताछ में सामने आया है कि आरोपित अवैध मादक पदार्थ अकलेरा झालावाड़ से लाकर जयपुर में सप्लाई करता है। जब्त की गई अवैध मादक पदार्थ स्मैक की अनुमानित बाजार मूल्य 10 लाख रुपये है। पुलिस आरोपित से पूछताछ करने में जुटी है। जयपुर पुलिस कमिश्नर बीजू जॉर्ज जोसफ ने बताया कि गिरफ्तार आरोपित करण सिन्धी अवैध मादक पदार्थ स्मैक अकलेरा झालावाड़ से लेकर आना बताया एवं अवैध हथियार के संबंध में बताया कि पिस्टल उसके पास काफी समय पहले की है। उसके काफी दुश्मन है उनसे बचने के लिये यह पिस्टल रख रखी थी। आरोपित अवैध मादक पदार्थ स्मैक मणिपाल यूनिवर्सिटी बगरु एवं भांकरोटा क्षेत्र में स्थित कॉलेजों के आस-पास सप्लाई करता है।

'आर.यू.एच.एस. अस्पताल को रिम्स के रूप में विकसित करें'

जयपुर। चिकित्सा मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर ने कहा कि राजस्थान स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय से संबद्ध अस्पताल को एम्स की तर्ज पर राजस्थान इंस्टीट्यूट आफ मेडिकल साइंसेज (रिम्स) में विकसित किया जाएगा। इसके लिए प्रभावी एक्शन प्लान बनाते हुए जल्द काम शुरू किया जाएगा। यह काम चरणबद्ध रूप से समय सीमा में पूरा किया जाएगा। आरयूएचएस अस्पताल में सुपर स्पेशलिटी सेवाओं के लिए आवश्यक स्टाफ भी लगाएंगे।

खींवसर गुरूवार को आरयूएचएस में आयोजित बैठक में विश्वविद्यालय, रिम्स के विकास एवं अन्य विषयों पर समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आमजन को अत्याधुनिक चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध करवाने, सवाई मानसिंह अस्पताल का रोगी भार कम करने एवं चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने 750 करोड़ रूपए की लागत से आरयूएचएस को रिम्स के रूप में विकसित करने की घोषणा की है। अधिकारी इस घोषणा को निर्धारित टाइमलाइन में मूर्त रूप दें।

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि रिम्स के विकास के लिए होने वाले निर्माण कार्यों, जांच एवं उपचार के लिए उपकरणों तथा

- **चिकित्सा मंत्री ने एक्शन प्लान बनाने के दिए निर्देश, 750 करोड़ की लागत से चरणबद्ध रूप से होगा काम**

चिकित्सकों एवं अन्य स्टाफ की आवश्यकताओं का आंकलन कर एक एक्शन प्लान तैयार करें। उन्होंने कहा कि रिम्स के रूप में इस संस्थान का विकास होने से न केवल जयपुरवासियों बल्कि प्रदेशभर से आने वाले रोगियों को बेहतर चिकित्सा सुविधाएं सुलभ होंगी। खींवसर ने वर्तमान में संचालित स्वास्थ्य सुविधाओं को बेहतर बनाने, सुपर स्पेशलिटी सेवाओं एवं भावी आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए चिकित्सकों एवं अन्य स्टाफ की उपलब्धता की समीक्षा भी की। उन्होंने कहा कि अस्पताल में आईपीडी सेवाओं का पूरा उपयोग सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक स्टाफ नियोजित किया जाए। साथ ही, आवश्कतानुरूप भर्ती प्रक्रिया को भी आगे बढ़ाया जाए। प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौड़ ने बताया आरयूएचएस में चिकित्सक व अन्य स्टाफ नियोजित करने के विभिन्न विकल्पों पर काम किया जा रहा है।

बिना आदेश वसूली रद्द की

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने लघु उद्योग इकाई को गलत तरीके से जारी अनुदान को वापस लेने के लिए बिना आदेश की जा रही वसूली की कार्रवाई को रद्द कर दिया है। इसके साथ ही अदालत ने मामले में पुनः जिला उद्योग केन्द्र के जीएम को भेजते हुए विधि अनुसार कार्रवाई करने को कहा है।

जस्टिस अवनीश झिंगन की एकलपीठ ने यह आदेश इंडिया इमेज की याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए। अदालत ने कहा कि यह सुस्थापित कानून है कि अर्ध न्यायिक अधिकारी को तर्कपूर्ण आदेश पारित करना होता है, लेकिन मामले में अनुदान वापस लेने का कोई आदेश पारित किए बिना ही वसूली कार्रवाई शुरू कर दी गई।

याचिका में अधिवक्ता जय शर्मा ने अदालत को बताया कि याचिकाकर्ता ने वर्ष 1990 में अनुदान के लिए आवेदन किया था। जिला स्तरीय कमेटी ने 29 सितंबर, 1997 को 10.83 लाख रुपए की अनुदान राशि स्वीकृत कर दी और बाद में याचिकाकर्ता को इस राशि का अनुदान मिल गया।

याचिका में बताया गया कि 11 मार्च, 1999 को जिला उद्योग केन्द्र के जीएम ने याचिकाकर्ता को पत्र भेजकर कहा कि उसे अनुदान राशि गलत जारी हो गई है और वह ब्याज सहित राशि लौटाए।

फर्जी ई-चालान से बचने के लिए पुलिस मुख्यालय की एडवाइजरी

वैध-अवैध एस.एम.एस. की पहचान के बाद ही करे ऑनलाइन भुगतान

जयपुर (कासं)। पुलिस मुख्यालय की ओर से यातायात नियमों के उल्लंघन पर नागरिकों को प्राप्त होने वाले ई-चालानों के भुगतान से सम्बंधित लिंक में साइबर ठगों की हेराफेरी के बारे में आम नागरिकों के लिए एडवाइजरी जारी की है। आमजन फर्जी ई-चालानों से बचे तथा वैध और अवैध एसएमएस में अंतर की पहचान कर सके, इसके लिए एडवाइजरी में महत्वपूर्ण और उपयोगी जानकारी का समावेश किया गया है।

पुलिस महानिदेशक (डीजीपी), साइबर अपराध, एससीआरबी एवं तकनीकी सेवाएं हेमंत प्रियदर्शी ने बताया कि वर्तमान तकनीक युग में नागरिकों द्वारा यातायात नियमों का उल्लंघन करने पर उनको ई-चालान- जारी किए जाते है, जो नियमों की अवहेलना करने वाले व्यक्ति के रजिस्टर्ड मोबाइल नम्बर पर एएएमएस द्वारा भेजे जाते हैं। प्रदेश में साइबर अपराधियों द्वारा फर्जी ई-चालान के माध्यम से तकनीकी पेचिदगियों से अनजान लोगों को ठगने के मामले प्रकाश में आए है। आमजन फर्जी ई-चालन के माध्यम से होने वाली धोखधड़ी या जालसाजी के शिकार नहीं हो, इसके लिए यह

- **लोग जागरूक रहें, ई-चालान का मैसेज कभी वॉट्सएप पर नहीं भेजा जाता : प्रियदर्शी**
- **उन्होंने बताया कि ई-चालान के लिए जो मैसेज प्राप्त होता है इसकी वैधता की पहचान या एसएमएस हैडर को जानने के लिए 1909 नम्बर पर एस.एम.एस. भेजा जा सकता है।**

एडवाइलरी जारी की गई है। डीजीपी (साइबर अपराध) ने बताया कि ई-चालान ऑनलाईन वाहनों के चालान रजिस्ट्रेशन के समय दर्ज मोबाईल नम्बर पर केवल एसएमएस द्वारा ही भेजा जाता है, वाट्सएप एप्लीकेशन पर कभी नहीं भेजा जाता है। अधिकृत एसएमएस का हैडर केवल "वाहन" ही होता है। इस एसएमएस संदेश में विभाग द्वारा यातायात नियमों से सम्बंधित विवरण और चालान का भुगतान करने के लिए लिंक भेजा जाता है। साइबर ठग इससे मिलते-जुलते नाम से फर्जी ई-चालान बनाकर ठगी का प्रयास कर सकते है। ऐसे में वे नागरिक जिन्होंने यातायात नियमों का उल्लंघन किया ही नहीं हो, उनको भी फर्जी एसएमएस या वॉटसएप मैसेज भेजकर धोखाधड़ी का शिकार बनाया जा सकता है। उन्होंने नागरिको से अपील की है कि वे फर्जी और वैध एसएमएस की पहचान करके जालसाजी का शिकार होने से बचे।

प्रियदर्शी ने बताया कि ई-चालान के लिए जो मैसेज प्राप्त होता है इसकी वैधता की पहचान या एसएमएस हैडर को जानने के लिए 1909 नम्बर पर एसएमएस भेजा जा सकता है। डीजीपी (साइबर अपराध) ने बताया कि इसके बाद भी यदि भुगतान के लिए प्राप्त ई-चालान पर तनिक भी संदेह हो तो आम नागरिक यातायात पुलिस अधिकारी के पास उपलब्ध पोस मशीन पर चालान नम्बर की जांच के बाद भुगतान कर सकता है। इसके अलावा ई-चालान का भुगतान एप के माध्यम से भी किया जा सकता है।

डेंटल कॉलेज में रेजिडेंट्स का प्रिंसिपल के खिलाफ प्रदर्शन

जयपुर। राजधानी के आरयूएचएस से संबद्ध शास्त्री नगर स्थित सरकारी डेंटल कॉलेज के रेजिडेंट्स डॉक्टर्स ने गुरुवार को प्रिंसिपल के खिलाफ मोर्चा खोलकर प्रदर्शन किया। रेजिडेंट्स ने प्रिंसिपल पर एक प्राइवेट महिला डॉक्टर का समर्थन करने का आरोप लगाते हुए कॉलेज में दखलअंदाजी का आरोप लगाया। हालांकि, प्रिंसिपल ने अपने उपर लगे इन आरोपों को झूठा बताया है।

शास्त्री नगर स्थित सरकारी डेंटल कॉलेज में रेजिडेंट चिकित्सकों ने जमकर हंगामा किया।

प्रिंसिपल से इस्तीफा की मांग करते हुए स्ट्राइक कर दी और नारेबाजी की। नारेबाजी से नाराज होकर प्रिंसिपल ने प्रदर्शन के दौरान इस्तेमाल किए जा रहे पोस्टर्स को फाड़ दिया।

रेजिडेंट्स डॉक्टर्स ने आरोप लगाए कि एक प्राइवेट प्रैक्टीशनर्स द्वारा रेजिडेंट चिकित्सकों को मानसिक रूप से प्रताड़ित किया जा रहा है। रेजिडेंट्स का कहना है कि प्राइवेट प्रैक्टीशनर्स ओरल सर्जरी विभाग के सभी मामलों और मरीजों के इलाज की प्रक्रिया में दखलअंजादी करती हैं, जबकि उनका अस्पताल से कोई लेना-देना नहीं है।

रेजिडेंट चिकित्सकों ने यह भी कहा कि प्राइवेट डॉक्टर ओपीडी में रेजिडेंट के नाम पर अधीकृत मरीजों को बहला कर उनकी सर्जरी करती हैं। रेजिडेंट्स के साथ बदतमीजी करना उनका रोजमर्रा का काम है।

रेजिडेंट्स का आरोप है कि डेंटल कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. विनय कुमार का उन्हें पूरा समर्थन है। इस मामले में पहले भी आरयूएचएस को शिकायतें की जा चुकी हैं, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं की गई है।

रेजिडेंट्स डॉक्टर्स ने प्रिंसिपल को हटाने की मांग की है। कुछ समय पहले इस पूरे मामले को लेकर राजस्थान स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय की ओर से एक नोटिस भी डेंटल कॉलेज को जारी किया गया था। इसमें डॉक्टर को लेकर जानकारी मांगी गई थी। इसके बावजूद रेजिडेंट चिकित्सकों का आरोप है कि कॉलेज ने इस मामले पर कोई कार्रवाई नहीं की।

'एमनेस्टी स्कीम के दायरे में आने वाले बकायादारों से करें वसूली'

खान एवं पेट्रोलियम विभाग के प्रमुख शासन सचिव टी. रविकान्त ने गुरूवार को अधिकारियों की बैठक लेकर राजस्व वृद्धि के मुद्दे पर चर्चा की।

जयपुर (कासं)। खान एवं पेट्रोलियम विभाग के प्रमुख शासन सचिव टी. रविकान्त ने विभागीय एमनेस्टी योजना के दायरें में आने वाले सभी बकायादारों को पत्र जारी करने के साथ सीधे संपर्क कर उन्हें विभागीय बकाया व ब्याजमाफी योजना का लाभ उठाने के लिए प्रेरित करने के निर्देश दिए हैं।

उन्होंने कहा कि इससे बकाया वसूली के प्रकरणों का निस्तारण होगा वहीं राज्य सरकार में राजस्व की प्राप्ति और बकाया वसूली में लगने वाले समय व धन की बचत होगी। उन्होंने स्थानीय स्तर पर ऐसा मंच बनाने पर भी जोर दिया जहां लीजधारकों और विभागीय अफसरों के बीच परस्पर समन्वय से खनिज गतिविधियों को और अधिक विस्तारित किया जा सके।

खान एवं पेट्रोलियम प्रमुख सचिव टी. रविकान्त गुरुवार को खनिज विभाग में खान एवं भूविज्ञान विभाग के अधिकारियों से रुबरु हो रहे थे।

उन्होंने कहा कि विभाग को स्थानीय स्तर पर ऐसा मैकेनिज्म विकसित करना होगा जिससे लीजधारकों की स्थानीय स्तर की समस्याओं का समय रहते समाधान हो सके। इससे खोज खनन कार्य में आ रही

- **'लीजधारकों और विभाग के बीच बेहतर समन्वय हों, स्थानीय स्तर पर समस्याओं का समाधान करें'**

बाधाएं दूर होगी तो खनन व राजस्व में बढ़ोतरी होने के साथ ही अवैध खनन गतिविधियों पर अंकुश लग सकेगा। एमनेस्टी योजना की चर्चा करते हुए कहा कि बकायादारों से वन टू वन संपर्क करने से पुरानी बकाया की वसूली हो सकेगी। इसके लिए समयवद्ध टाइमलाईन तय की जा सकती है।

रविकान्त ने खनिज पट्टों की नीलामी के बाद पट्टाधारकों के सामने आने वाली समस्याओं की और इशारा करते हुए कहा कि इससे खनन गतिविधियां आरंभ होने में देरी होती है और अन्य ब्लॉकों की नीलामी में भी विपरीत असर पड़ता है। जिला कलक्टर की अध्यक्षता में गठित एसआईटी और माइनिंग कमेटी की मीटिंग से पहले इस तरह के बिन्दुओं को चिन्हित किया जाना चाहिए ताकि मीटिंग में हल निकाला जा सके।

दो आई.ए.एस. सहित अन्य अफसरों को अवमानना नोटिस

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने अदालती रोक के बावजूद भी नगर निगम के कर्मचारी को सेवा से हटाने के मामले में प्रमुख यूडीएच सचिव टी रविकांत और नगर निगम ग्रेटर की आयुक्त रुक्मणी रियाड सहित अन्य को अवमानना नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है। जस्टिस उमाशंकर व्यास की एकलपीठ ने यह आदेश प्रदीप कुमार शर्मा की अवमानना याचिका पर प्रारंभिक सुनवाई करते हुए दिए।

अवमानना याचिका में अधिवक्ता तरुण चौधरी ने अदालत को बताया कि याचिकाकर्ता वर्ष 1996 में नगर निगम की विद्युत विंग में हेल्पर कम स्टोर कीपर के पद पर लगा था। इसके बाद से वह लगातार इस पद पर काम कर रहा था। इस बीच वर्ष 2014 में उसे सेवा से हटा दिया गया।

स्टेट कैंसर इंस्टीट्यूट में अब मिलेगी विश्वस्तरीय रेडियोथैरेपी की सुविधा

जयपुर। स्टेट कैंसर इंस्टीट्यूट में अब अत्याधुनिक रेडियो थैरेपी मशीन से कैंसर रोगियों को विश्व स्तरीय उपचार मिल सकेगा। यह मशीन बेहद कम समय में कैंसर ट्यूमर खत्म कर देती हैं। चिकित्सा मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर ने इंस्टीट्यूट में रेडिएशन ऑन्कोलॉजी विभाग में स्थापित की गई लीनियर एक्सेलरेटर मशीनों व सीटी सिम्युलेटर मशीन का लोकार्पण किया। प्रदेश में रेडियोथेरेपी की यह नवीनतम मशीनें हैं।

इस अवसर पर चिकित्सा मंत्री ने मीडिया से बातचीत में कहा कि करीब 54 करोड़ रूपए की लागत से स्थापित इन अत्याधुनिक मशीनों के प्रारंभ होने से ब्रेस्ट, लंग, हैड और नेक कैंसर की जांच एवं उपचार में बड़ी मदद मिलेगी। लाखों रुपए खर्च कर होने वाला उपचार यहां निःशुल्क प्राप्त हो सकेगा। इन मशीनों से ट्यूमर का पता लगाने एवं रेडियोथेरेपी में सटीकता आएगी तथा कैंसर रोगियों को विश्वस्तरीय उपचार मिल सकेगा। स्टेट कैंसर इंस्टीट्यूट के अधीक्षक डॉ. संदीप जसूजा ने बताया कि रेडियोथेरेपी की ये लीनियर एक्सेलरेटर मशीनें कहीं अधिक फोकस रेडिएशन एक्सपोजर देती हैं। जिससे ट्रीटमेंट टाइम बहुत कम हो गया है और इलाज भी आसान हो गया है। नवीनतम मशीनें स्टीरियो टैक्सी सर्जरी कर सकती हैं, जिससे एक ही बार में ट्यूमर खत्म हो सकता है। साथ ही आस पास के कैंसर सेल्स भी खत्म हो जाते हैं। इसमें रेडिएशन का पूरा प्रोसीजर 2 मिनट में खत्म हो जाता है। पहले की तरह रेडियोथेरेपी कराने वाले मरीजों में त्वचा पर कालापन आने और दूसरे साइड इफेक्ट्स इस मशीन से नहीं होंगे। इसका सबसे बड़ा फायदा यह रहेगा कि रेडिएशन एक्सपोजर के समय आस पास के अंगों को किसी तरह का नुकसान नहीं पहुंचेगा। नई सीटी सिम्युलेटर मशीन से मरीज को स्कैन कर उसके ट्रीटमेंट की प्लानिंग सॉफ्टवेयर में ही वर्चुअली ही की जा सकेगी। इससे इलाज और ज्यादा सटीक हो जाएगा और इलाज के दौरान होने वाली जटिलता का बेहतर प्रबंधन किया जा सकेगा। ये सभी मशीनें शुक्रवार से सेवाएं देना शुरू कर देंगी। पूरे देश में कुछ ही सेंटर्स पर ऐसी तकनीक उपलब्ध है।

कौशल शिविर में जुटे 3 हजार उम्मीदवार

जयपुर। उप क्षेत्रीय रोजगार कार्यालय जयपुर द्वारा गुरुवार 26 सितंबर को सांभरलेक स्थित राजकीय शाकम्भर स्नातकोत्तर महाविद्यालय में एक दिवसीय कौशल, रोजगार, उद्यिमता शिविर एवं करियर सेमिनार का आयोजन हुआ।

उप-प्रादेशिक रोजगार कार्यालय की उप निदेशक श्रीमती नवरेखा ने समारोह में अपने अनुभव साझा किये और विद्यार्थियों को प्रेरित किया और रोजगार के अवसरों तथा विभागीय योजनाओं की जानकारी प्रदान की। साथ ही उन्होंने बताया कि शिविर में 3 हजार 296 बेरोजगार युवा पंजीकृत हुए।